

साधो ये मुर्दों का गाँव कबीर भजन लिरिक्स



साधो ये मुर्दों का गाँव,

पीर मरे पैगम्बर मरी है,
मरी है जिन्दा जोगी,
राजा मरी है परजा मरी है,
मरी है बैद और रोगी,
साधो ये मुर्दों का गाँव।bd।

चंदा मरी है सूरज मरी है,
मरी है धरनी आकासा,
चौदह भुवन के चौधरी मरी है,
इन्हों की का आसा,
साधो ये मुर्दों का गाँव।bd।

नौहूँ मरी है दसहूँ मरी है,
मरी है सहज अठासी,
तेँतीस कोटि देव मरी है,
बड़े काल की बाज़ी,
साधो ये मुर्दों का गाँव।bd।

नाम अनाम अनंत रहत है,
दूजा तत्व न होई,
कहे कबीर सुनो भाई साधो
भटका मारो मत कोई,
साधो ये मुर्दों का गाँव।bd।

साधो ये मुर्दों का गाँव,
पीर मरे पैगम्बर मरी है,
मरी है जिन्दा जोगी,
राजा मरी है परजा मरी है,
मरी है बैद और रोगी,
साधो ये मुर्दों का गाँव।bd।

Singer – Aabhas, Shreyas

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>

